

(b) if not, the reasons therefor ?

**THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) :** (a) and (b). The question of recognising the first year examination of the three-year Engineering Diploma course, the minimum qualification for entry to which course is the passing of the Higher Secondary examination, is under consideration. At present the first-year examination of the Engineering Diploma course is not recognised as a qualification for admission to the Indian Military Academy or the Officers Training Schools for Short Service Commissions.

**पूना के निकट झोंपड़ी वासियों के साथ  
सैनिक कर्मचारियों का झगड़ा**

555. श्री एस० एम० जोशी : क्या रक्षा मंत्री पूना के निकट सैनिक कर्मचारियों के झोंपड़ीवासियों के साथ झगड़े के बारे में 28 अगस्त, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 6313 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को उम जांच न्यायालय की रिपोर्ट मिल गई है, जिसे इस घटना की जांच करने के लिये नियुक्त किया गया था;

(ख) यदि हां, तो उसमें क्या-क्या मुख्य मिफारिशें की गई हैं; और

(ग) उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) :** (क) से (ग). कोर्ट आफ इन्क्वायरी की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। कोर्ट आफ इन्क्वायरी के निष्कर्षों से पता चला है कि यद्यपि उनकी सहापराधिता सिद्ध करने के लिये पर्याप्त प्रमाण लभ्य नहीं हैं, स्थानीय असैनिक सेविवर्ग द्वारा साक्षी के आधार पर 12 अवर श्रेणी सैनिकों का पोलीस द्वारा झगड़ा करने के अपराध में चालान किया गया है। कोर्ट आफ इन्क्वायरी के निष्कर्षों के निरीक्षण पर वरिष्ठ सैनिक अधिकारियों ने अपना मत प्रकट किया है कि

इन व्यक्तियों के अभियोग के संबंध में असैनिक कार्यवाही जारी रहनी चाहिये। कोर्ट आफ इन्क्वायरी ने 15 अन्य अतिरिक्त सैनिकों को भी झगड़े से संबंधित पाया है, उनके विरुद्ध उपयुक्त अनुशासनिक कार्यवाही की जा रही है।

स्थानीय क्षेत्र कमांडर अनुशासन में ढील को अपास्त करने के प्रश्न का निरीक्षण कर रहा है, कि जिसमें झगड़ा संभव हो पाया, और इस ढील के लिये मुख्यतः उत्तरदायी लोगों को दिये जाने वाले दण्ड के संबंध में भी विचार कर रहा है।

**STOPPAGE OF U.S. BOMBING IN NORTH VIET-NAM**

556. SHRI D. C. SHARMA :  
SHRI BENI SHANKER  
SHARMA :  
SHRI HEM BARUA :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether U.S.A. has put an end to bombing of North Viet-Nam;

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) the steps which Government are taking to bring a settlement ?

**THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI) :** (a) Yes, Sir.

(b) The Government of India has welcomed the step taken by the U.S. Government, which is in accord with what the Government of India has advocated for quite some time.

(c) The Government of India is in close touch with the parties concerned through diplomatic channel with a view to helping towards a peaceful solution of the problem.

**INDIAN NATIONALS IN PAKISTAN JAILS**

557. SHRI ANKINEEDU : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a very large number of Indian Nationals are interned in Pakistan Jails without any formal trial;

(b) the steps which Government have taken to secure their release; and

(c) the result thereof ?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : (a) to (c). The Government have no authentic information on this subject. The Government of Pakistan do not furnish information in regard to Indian nationals who are detained without trial in Pakistan. The Government have repeatedly approached the Government of Pakistan in this regard but there has been no response so far.

### हिमालय पर्वतारोहण संस्था

558. श्री ओम प्रकाश त्यागी : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमालय पर्वतारोहण संस्था, दार्जिलिंग पर प्रति वर्ष कितना धन व्यय किया जा रहा है;

(ख) उक्त संस्था द्वारा अब तक किये गये अनुसंधान कार्य का व्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि पश्चिम बंगाल के महालेखापाल ने इस संस्था के विरुद्ध एक बड़ी रिपोर्ट भेजी है; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) पिछले तीन वर्षों में हिमालय पर्वतारोहण संस्थान दार्जिलिंग पर उठा वार्षिक खर्च इस प्रकार है :—

1966-67	6,19,990 रुपये
1967-68	6,02,526 रुपये
1968-69	5,84,015 रुपये

(ख) संस्थान से संलग्न डायरेक्टर (फिज्योलोजिस्ट) मुख्यतः संस्थान में प्रवेश

के लिये छात्रों की शारीरिक योग्यता के निरीक्षण के लिये उत्तरदायी हैं, और पाठ्यक्रम के बीच उन्हें चिकित्सा सहायता देने के लिये भी। अतिरिक्त अवधि में वह फिज्योलोजीय अनुसंधान हस्तगत करता है। संस्थान में निम्न अनुसंधान प्रायोजनाएं सम्पूर्ण की जा चुकी हैं :—

(1) पर्वतारोही, पार्वती प्रदेश निवासी, और मैदान के निवासी तीन वर्गों के लोगों की पर्वतारोहण योग्यताओं का अध्ययन।

(2) (पर्वतारोहिणी तथा अपर्वतारोहिणी) महिलाओं के विभिन्न वर्गों के श्वसन उपापचयन तथा आरोहण योग्यता का अध्ययन।

(3) उच्च प्रदेशीय आरोहण में भार और गति के प्रभाव पर प्रयोग।

(4) शेषाओं की शारीरिक योग्यता का निर्धारण।

(5) स्थानीय लोगों के आधारीय उपापचयात्मक दर का निर्धारण।

(ग) और (घ). जब कई त्रुटियों सचिवों के ध्यान में आई, अकाउंटेंट जनरल पश्चिमी बंगाल को कहा गया था कि वह संस्थान के पिछले पांच वर्षों का हिमाब आडिट करे। विशिष्ट आडिट की रिपोर्ट प्राप्त होने पर, रक्षा मंत्रालय, कन्ट्रोलर जनरल आफ डिफेंस अकाउंट्स और पश्चिमी बंगाल सरकार के एक-एक अफसर पर सम्मिलित एक समिति स्थापित की गई थी, और इन त्रुटियों के लिये उत्तरदायी लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

M/S COOPER ALLEN AND COMPANY

559. SHRI S. M. BANERJEE :  
SHRI HIMATSINGKA :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :